www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 ग्रामीणों की खुशहाली के लिये मनरेगा का...
3 क्या दूध से शरीर में क्रिएटिनिन बढ़ता है?
4 देशभर से आठ तैराकों की एक टीम ने 28...

वर्ष: 9 | अंक: 176 | दिल्ली, सोमवार, 21 अप्रैल 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल सरकार कांग्रेस की सरकारों में सबसे भ्रष्ट : जेपी नड्डा

(एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख जे पी नड्डा ने रविवार को आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश सरकार देश की कांग्रेस सरकारों में सबसे भ्रष्ट है। धर्मशाला में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने नेशनल हेराल्ड को करोड़ों रुपये के विज्ञापन दिए हैं, जिसका प्रकाशन तक नहीं हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, हिमाचल सरकार देश की कांग्रेस सरकारों में सबसे भ्रष्ट है और वित्तीय कुप्रबंधन में सबसे ऊपर है। नड्डा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार राज्य में यह झूठा विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रही है कि केंद्र उसे धन नहीं दे रहा है और उसे हिमाचल की कोई चिंता नहीं है। नड्डा ने कहा, अगर आप सरकार नहीं चला सकते, तो छोड़ दीजिए, लेकिन दूसरों को दोष मत दीजिए। हिमाचल प्रदेश से संबंध रखने वाले नड्डा ने राज्य में अपनी वापसी के बारे में अटकलों को विराम देते हुए कहा, मैं एक जिम्मेदार पद पर हूं और राज्य में वापस आने की कोई संभावना नहीं है। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष का चुनाव जल्द ही किया जाएगा। नड्डा ने कहा कि आकांक्षी जिले चंबा ने शिक्षा, बुनियादी ढांचे, कृषि, सिंचाई और वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों में अच्छी प्रगति की है। केंद्रीय मंत्री ने चंबा जिले के विकास से जुड़ी एक समीक्षा बैठक में भाग लिया।

2027 के उप्र चुनावों में भी इंडिया गठबंधन जारी रहेगा : अखिलेश यादव

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी इंडिया गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे इंडिया गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, इंडिया गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा। उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया। यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के संबंध में भाजपा की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की तथा वादा किया कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो कुप्रबंधन की जांच कराई जाएगी। सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही।

धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत व धरोहर को विश्व में पहुंचाने के लिए सरकार कर रही कार्य: नायब सैनी

■ मुख्यमंत्री ने विदेशी शिष्टमंडल के साथ ब्रह्मसरोवर के तट पर की महाआरती

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत व धरोहर को विश्व के हर कोने तक फैलाने पर फोकस रखकर सरकार काम कर रही है। इसी पावन धरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने हजारों वर्ष पूर्व पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश दिए थे। इन उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को कुरुक्षेत्र ब्रह्मसरोवर आरती स्थल पर जिला प्रशासन व कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण व पूर्व राज्यमंत्री श्री सुभाष सुधा ने विभिन्न देशों से आए शिष्टमंडल के सदस्यों को अंगवस्त्र व भगवान श्री कृष्ण के विराट स्वरूप की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद महाआरती की और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना भी की है।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 36वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 13 देशों के 27 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया। यह शिष्टमंडल पिछले 4 दिन से हरियाणा के अलग-अलग स्थानों का भ्रमण कर रहा है। इस शिष्टमंडल ने हरियाणा विधानसभा, पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट व हरियाणा के सभी अहम विषयों पर बातचीत की है। यह शिष्टमंडल निश्चित ही अपने-अपने देशों में जाकर हरियाणा की संस्कृति व सांस्कृतिक धरोहर के अहम लम्हों को पहुंचाएगा। इससे हरियाणा के पर्यटन की अपार संभावनाओं को भी बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि शिष्टमंडल ने पवित्र ग्रंथ गीता की धरा पर महाआरती भी की है। इस पावन धरा पर शिष्टमंडल के सदस्यों का स्वागत करने के लिए पहुंचे है। इस ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर पहुंचे शिष्टमंडल के सदस्यों को कुरुक्षेत्र के साथ-साथ पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों से आत्मसात करने का अवसर मिला है। यह शिष्टमंडल अपने-अपने देशों में कुरुक्षेत्र ब्रह्मसरोवर और पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को पहुंचाने का काम करेगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों के प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि हरियाणा में तेज आंधी से जो नुकसान हुआ है, उस नुकसान का आंकलन करने के दो दिन पहले ही अधिकारियों को आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही अधिकारियों को तुरंत रिपोर्ट सौंपने और आगजनी के कारणों का पता लगाने के लिए भी कहा गया है। इस रिपोर्ट के बाद ही सरकार निर्णय लेगी। इस मौके पर केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।

सीएम रेखा गुप्ता ने 1,111 जीपीएस से युक्त जल टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

'आधुनिक जीपीएस ट्रैकिंग से टैंकर माफिया पर लगेगी लगाम'

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डीडीए ग्राउंड, आउटर रिंग रोड, बुराड़ी से दिल्ली जल बोर्ड के 1,111 जीपीएस से युक्त जल टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इन्द्रराज सिंह, कपिल मिश्रा, लोकसभा सांसद मनोज तिवारी, सुबांसुरी स्वराज, कमलजीत सेहरावत, योगेन्द्र चंदौलिया, प्रवीण खंडेलवाल और विधायकों समेत दिल्ली जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली की जल आपूर्ति व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और जवाबदेह बनाना है। यह कदम विशेष रूप से उन क्षेत्रों को ध्यान में रखकर उठाया गया है जहाँ पाइपलाइन से जलापूर्ति नहीं हो पाती है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में आधुनिक जीपीएस ट्रैकिंग से टैंकर माफिया पर सख्त लगाम लगेगी। इन टैंकरों की 24x7 निगरानी सीधे तौर पर सेन्ट्रल कंट्रोल रूम से की जाएगी। इसके साथ ही, दिल्ली जल बोर्ड ऐप के माध्यम से नागरिक न केवल जल टैंकरों की ट्रैकिंग कर सकेंगे, बल्कि अपनी शिकायतें दर्ज कर उनके समाधान की प्रक्रिया भी देख सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इस तकनीकी पहल को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि दिल्ली सरकार नई सोच और तकनीक के साथ राजधानी को डिजिटल दिल्ली बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 'विकसित दिल्ली बजट' के तहत जल एवं स्वच्छता क्षेत्र के लिए रु9,000 करोड़ का ऐतिहासिक बजट आवंटित किया गया है, जिससे दिल्ली के हर घर तक शुद्ध, सुरक्षित और निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार का संकल्प है कि राजधानी में हर नागरिक को स्वच्छ और पर्याप्त जल मिल सके। दिल्ली सरकार राजधानी में पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार, लीकेज नियंत्रण, और आधुनिक जल प्रबंधन तकनीकों के माध्यम से एक मजबूत और पारदर्शी जल आपूर्ति प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली के हर घर, हर गली, हर मोहल्ले तक निर्बाध जल पहुंचे ताकि पानी जैसी मूलभूत जरूरत के लिए दिल्लीवासियों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन दिल्लीवासियों के लिए एक ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की 'हर घर जल' योजना को साकार करने की दिशा में दिल्ली सरकार पूरी ताकत के साथ काम कर रही है। आज हम केवल जल टैंकर सेवा की शुरूआत नहीं कर रहे, बल्कि एक नई सोच, नई प्रणाली और पूर्ण पारदर्शिता पर आधारित एक नई व्यवस्था की नींव रख रहे हैं। ये सभी जल टैंकर अत्याधुनिक जीपीएस तकनीक से सुसज्जित हैं, जिन्हें झंडेवालान स्थित सेन्ट्रल कंट्रोल रूम से चौबीसों घंटे रीयल-टाइम में ट्रैक किया जा सकेगा। टैंकर किस क्षेत्र में गया, कब पहुंचा और कहाँ पानी वितरित हुआ, इन सभी जानकारियों की निगरानी अब तुरंत संभव होगी।

साथ ही, दिल्ली जल बोर्ड की मोबाइल ऐप के माध्यम से एक ऐसा सिस्टम तैयार किया गया है जहाँ नागरिक न केवल अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं, बल्कि उसकी ट्रैकिंग और समाधान की पूरी प्रक्रिया भी स्वयं देख सकेंगे। यह व्यवस्था न केवल टैंकर माफिया पर सख्ती से नियंत्रण स्थापित करेगी, बल्कि आम नागरिकों के जल संबंधी अधिकारों की सुरक्षा में भी एक मजबूत कदम साबित होगी।

गरीब और वंचित वर्ग को आत्मनिर्भर बनाकर, विकसित दिल्ली का लक्ष्य करेंगे पूरा: रविन्द्र इंद्राज

समाज कल्याण मंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने मोइरांग दिवस पर नेताजी सुभाष बोस आईएनए ट्रस्ट एवं फिक्की की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। 14 अप्रैल 1944 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद फौज ने मणिपुर के मोइरांग में पहली बार स्वतंत्र भारत का तिरंगा फहराया था।

श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले महापुरुषों को सम्मान देने और उनके संदेशों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का काम लगातार हो रहा है। केंद्र सरकार ने नेताजी की स्मृति में इंडिया गेट के नजदीक भव्य प्रतिमा स्थापित की है, लाल किला में संग्रहालय बनवाया है और अंडमान निकोबार में आइलैंड का नाम नेताजी के नाम पर रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा की हाल ही में दिल्ली सरकार ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर जी का जयंती सप्ताह मनाया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बाबा साहेब जैसे महापुरुषों का सपना था की गरीब और वंचित वर्ग के लोग मुख्यधारा में अहम योगदान दें और आत्मनिर्भर बनें। मोदी जी के नेतृत्व में यह सपना साकार हो रहा है। गरीब उत्थान के साथ ही देश विकसित भारत और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

श्री रविन्द्र इन्द्राज ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार भी विकसित दिल्ली संकल्प की दिशा में गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की योजनाओं पर काम कर रही है। सहकारिता से आत्मनिर्भरता की दिशा में दिल्ली की हाउसिंग सोसायटी में स्वसहायता समूह के उत्पादों के स्टोर्स खोले जाने हैं। बवाना के ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक उत्पादों को प्रोत्साहित कर आत्मनिर्भर बनाने की परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है।

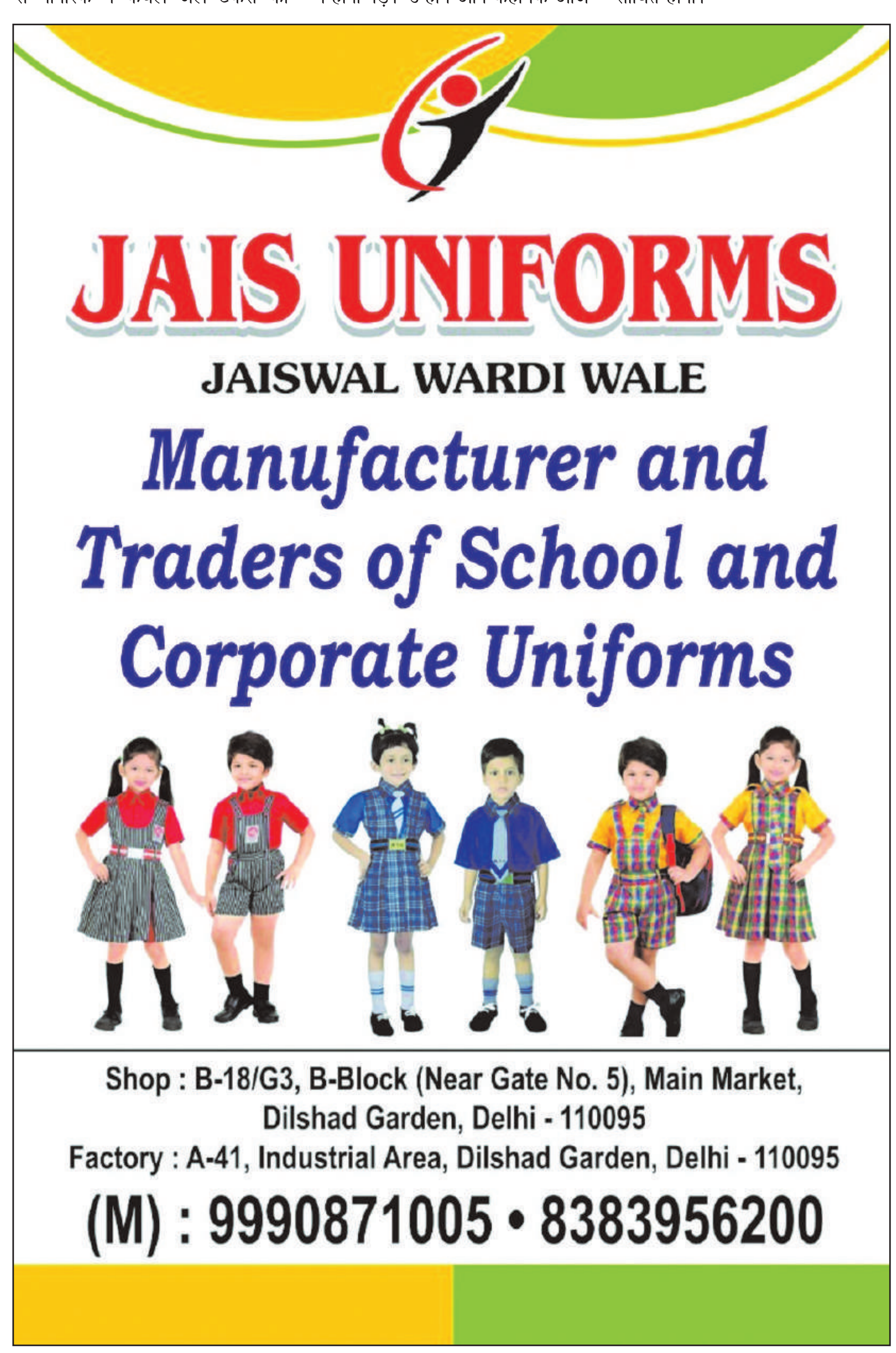

मोतिहारी शहर में रहकर स्नातक की पढ़ाई के लिए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ है बेहतर विकल्प

विश्वविद्यालय ने नामांकन पोर्टल खोला, 15 मई तक कर सकते हैं आवेदन

■ 'कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के सभी 24 विषयों में ले सकते हैं नामांकन'

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर से मान्यता प्राप्त महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ डिग्री कॉलेज भरौलिया मोतिहारी में 4 वर्षीय स्नातक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के सभी 24 विषयों में प्रथम सेमेस्टर में सत्र 2025-2029 के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

सचिव मनीष कुमार शेखर ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि विश्वविद्यालय ने अपने पोर्टल www.umis.brbu.ac.in/home/signup चालू करते हुए 15 मई तक आवेदन की अंतिम तिथि रखा है। शेखर ने बताया कि कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र, इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, गृह विज्ञान, संगीत, समाजशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति एवं विज्ञान संकाय में भौतिक विज्ञान, रसायनशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित तथा वाणिज्य संकाय में एकाउन्टस, कार्पोरेट एडमिनिस्ट्रेशन, बिजनेस इनवायरनमेंट, बिजनेस फाईनान्स विषयों में छात्र नामांकन ले सकते हैं।

इंटरमीडिएट पास छात्रों को आवेदन के साथ 10वीं, 12वीं का अंक पत्र, आधार, अपार, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और फोटो देना अनिवार्य होगा। कला संकाय के छात्र केवल कला संकाय का विषय ही चुन सकते हैं लेकिन विज्ञान संकाय के छात्र किसी भी संकाय के विषय को चुन सकते हैं। वहीं वाणिज्य संकाय के छात्र वाणिज्य के साथ कला संकाय के भी किसी विषय को चुन सकते हैं। शेखर ने बताया कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ डिग्री कॉलेज में पढ़ाई के साथ प्रतियोगिता की तैयारी, खेल कुद, कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास किया जाएगा।

मोतिहारी शहर में रहकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए एक बेहतर पढ़ाई का विकल्प है। शेखर ने बताया कि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विद्यापीठ के अध्यक्ष रत्नेश्वरी शर्मा, उपाध्यक्ष शक्ति पाण्डेय, रजनीश कुमार पुष्कर, निदेशक कुंदन कुमार मधुकर प्राचार्य अनामिका शेखर एवं सभी प्राध्यापक महाविद्यालय के बेहतर प्रबंधन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संकल्पित हैं।

संविधान ने दिया सभी को समानता का अधिकार : मनोहर लाल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। केंद्रीय बिजली, आवास एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि समाज का हर वर्ग स्वाभिमान से आगे बढ़े, अलग थलग होकर नहीं बल्कि एक जुट होकर देश व समाज की भलाई के लिए कार्य करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में पिछले 10 वर्षो में बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की सोच को आगे बढ़ा रही है और अंत्योदय के मूलमंत्र पर चलते हुए हर वर्ग का उत्थान कर रही है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल शनिवार को देर शाम नीलोखेड़ी के गांव हैबतपुर में स्थित मिलन फार्म में आयोजित संविधान सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम में सबसे पहले बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर नीलोखेड़ी के विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने केंद्रीय मंत्री को बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भेंट की तथा पगड़ी पहनकर उनका सम्मान किया। आयोजको ने हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मंच का संचालन केंद्रीय मंत्री के मीडिया सलाहकार सुदेश कटारिया ने किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान लिखा, जो दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान कहलाया। भारतीय संविधान एक पवित्र ग्रंथ है, जब भी हम शपथ लेते है संविधान या पवित्र ग्रंथ गीता को साक्षी मानकर लेते है। उन्होंने बताया कि संविधान में संशोधन का प्रावधान है, भाजपा सरकार ने जनता की अच्छाई के लिए संशोधन किए है जबकि विपक्ष की सरकार ने अपनी पार्टी की भलाई के लिए संशोधन किए है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने कभी भी बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर को सम्मान नहीं दिया बल्कि उनको चुनाव भी नहीं जीतने दिया बल्कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उन्हें 1955 में राज्यसभा का सदस्य बनवाने में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने हमेशा आरक्षण का विरोध किया, लेकिन वर्तमान सरकार ने हर वर्ग का पूरा ध्यान रखा, किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया।

सम्पादकीय

बांग्लादेश का रूख रूस, अमेरिका और पाकिस्तान की ओर

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस इस समय दो महाशक्तियों समेत दुनिया के प्रमुख देशों से सफलतापूर्वक संपर्क साधकर अपनी कूटनीतिक जीत के बीच हैं। इस साल मार्च के आखिरी हफ्ते में बीजिंग की अपनी यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पूरा समर्थन हासिल करने में बड़ी सफलता मिलने के बाद डॉ. यूनुस ने गुरुवार 17 अप्रैल को दो महत्वपूर्ण विदेशी प्रतिनिधि मंडलों का स्वागत किया- एक पाकिस्तान से और दूसरा अमेरिकी सरकार से। रूसी नौसेना का तीसरा सैन्य प्रतिनिधि मंडल चार दिवसीय यात्रा पर चटगांव में है। हाल के दिनों में ढाका में कूटनीतिक गतिविधियों की ऐसी हलचल कभी नहीं देखी गयी। सबसे महत्वपूर्ण यात्रा अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल की है, जिसका नेतृत्व विदेश विभाग में दक्षिण एशिया मामलों की उप सचिव निकोलचुलिक कर रही हैं। इस वर्ष 20 जनवरी को राष्ट्रपति के पदभार संभालने के बाद ट्रंप-2 शासन से यह पहला उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल था। इससे पहले ट्रंप ने इस वर्ष फरवरी में यह आभास दिया था कि वह बांग्लादेश के मामले में अपने 'मित्र' नरेंद्र मोदी के विचारों को मानेंगे, लेकिन इंटेल प्रमुख तुलसी गबार्ड की रिपोर्ट और पिछले महीने डॉ. यूनुस की बीजिंग यात्रा के बाद हुई चीन-बांग्लादेश की दोस्ती से स्थिति बदल गयी है। अमेरिका का दक्षिण एशिया विभाग बांग्लादेश पर अपनी भावी नीति के बारे में अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए अपना आकलन कर रहा है और ट्रंप के 'प्रिय मित्र' नरेंद्र मोदी के विचारों को ज्यादा महत्व नहीं दे रहा है। अमेरिका भी बांग्लादेश में अपने अनुकूल चुनाव के बाद नयी सरकार बनाने में उतना ही इच्छुक है, जितना चीन कोशिश कर रहा है। अमेरिका जानता है कि चीन ढाका में राजनीतिक खेल में बहुत आगे है और सभी प्रमुख राजनीतिक दलों में उसके समर्थक हैं। डॉ. यूनुस से बातचीत के अलावा प्रतिनिधि मंडल ने सभी प्रमुख पार्टियों, बीएनपी, जमात और छात्र संगठन नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की नयी गठित पार्टी से बातचीत की। बीएनपी ने इस साल दिसंबर से पहले चुनाव कराने की मांग की, जबकि जमात अगले साल की शुरूआत में चुनाव चाहती थी। केवल एनसीपी ने कहा कि चुनाव उनके प्रस्तावित सुधार उपायों जैसे चुनावी कानूनों और संविधान में बदलाव के लागू होने के बाद कराये जाने चाहिए। अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल अवामी लीग के किसी समूह से मुलाकात करेगा। लेकिन ढाका में अमेरिकी दूतावास के अधिकारी अवामी लीग के कुछ नेताओं के संपर्क में हैं। यह आश्चर्य की बात नहीं होगी कि अमेरिकी दल के ढाका से रवाना होने से पहले एएल नेताओं के साथ एक मुलाकात यात्रा आयोजित की जाये। जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की विदेश सचिव अमीना बलूच की यात्रा द्विपक्षीय संबंधों की स्थापना की तेज गति को जारी रखने का ही एक तरीका है, जो पिछले साल 5 अगस्त को हसीना सरकार के गिरने और 8 अगस्त को डॉ. यूनुस के अंतरिम प्रमुख बनने के तुरंत बाद शुरू हुआ था। एफओसी15 साल बाद होने वाली कूटनीतिक बातचीत है। इसका मतलब यह है कि हसीना के पिछले 15 साल के शासन के दौरान पाकिस्तान के साथ ऐसी कोई बैठक नहीं हुई थी। स्टेट गेस्ट हाउस पद्मा में आयोजित एफओसी में विदेश सचिव मोहम्मद जशीमुद्दीन ने बांग्लादेश की ओर से नेतृत्व किया, जबकि अमीना बलूच ने पाकिस्तानी प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया। सभी द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की गयी और दोनों पक्षों ने संबंधों को उच्च स्तर पर ले जाने का फैसला किया। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाकडार जो विदेश मंत्री भी हैं, 27-28 अप्रैल को डॉ. यूनुस के साथ चर्चा करने के लिए ढाका का दौरा करने वाले हैं। पिछले आठ महीनों में डॉ. यूनुस ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ दो बार द्विपक्षीय वार्ता की है- पहली बार पिछले साल सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में और फिर दिसंबर में काहिरा में डी-8 बैठक में। बांग्लादेश के लिए, चटगांव बंदरगाह पर रूसी नौसेना के प्रतिनिधि मंडल की वर्तमान यात्रा कूटनीतिक रूप से भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। रूस बांग्लादेश के राजनीतिक परिदृश्य में कोई महत्वपूर्ण खिलाड़ी नहीं रहा है, जहां लड़ाई मुख्य रूप से चीन और अमेरिका के बीच है, जहां भारत, जो पहले बड़ा भाई था, पीछे से लड़ाई को देख रहा था, अमेरिका की चालों पर कम उम्मीदें लगा रहा था। डॉ. यूनुस ने रूसियों को आमंत्रित करके उन्हें बहुत महत्व दिया है। रूसी जहाज चार दिवसीय सद्भावना यात्रा पर हैं। उनके आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। तीन रूसी युद्धपोतों की यात्रा सहित रूसी नौसेना प्रतिनिधि मंडल की इस यात्रा से पहले बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वाकरउजजमान ने मास्को का दौरा किया और रूसी रक्षा मंत्रालय के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ उनकी बातचीत हुई। वर्तमान में, बांग्लादेश 80 प्रतिशत से अधिक रक्षा उपकरण चीन से आयात करता है। यह रक्षा आपूर्ति हसीना सरकार के दिनों से जारी है क्योंकि चीन ने तब उत्पादों के लिए सस्ती कीमतों की पेशकश की थी। रूस बांग्लादेश को अनुकूल कीमतों पर आपूर्ति करने में रुचि रखता है। बांग्लादेश अपनी सैन्य आपूर्ति में विविधता लाना चाहता है ताकि पाकिस्तान और रूस दोनों को कुछ छोटा हिस्सा मिल सके। रूस को लुभाने का एक और पहलू भी है। वर्तमान में भारत, जो पहले रूस से हथियारों के आयात पर बड़े पैमाने पर निर्भर था, अब अपनी खरीदारी की टोकरी को अमेरिका की ओर मोड़ दिया है। रूस परेशान है, हालांकि कूटनीतिक रूप से वह भारत के प्रति दोस्ताना भाव दिखा रहा है। रूस से रक्षा उपकरणों की खरीद शुरू करके ढाका को उम्मीद है कि वह नयी दिल्ली के साथ मौजूदा मुद्दों के संबंध में मास्को को अपने पक्ष में प्रभावित कर सकेगा।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

ग्रामीणों की खुशहाली के लिये मनरेगा का सशक्तिकरण हो

मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करता है, जिससे लोगों को आय प्राप्त होती है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है, यह योजना टिकाऊ संपत्तियां जैसे सड़क, नहर, तालाब, कुएं बनाने पर जोर देती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान करती हैं। भारत आज भी गांवों का देश है, विकास की गंगा गांवों से होकर ही निकलती है

-ललित गर्ग

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) के तहत प्रदान किए जाने वाले काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 दिन करने समेत श्रमिकों के दैनिक पारिश्रमिक को कम से कम 400 रुपये निर्धारित करने की सिफारिश की है, इन सिफारिशों से न केवल यह योजना अधिक सशक्त एवं प्रभावी होकर ग्रामीण जनजीवन के कमजोर लोगों के लिये राहत का माध्यम बनेगी, बल्कि ग्रामीण जीवन को नये भारत की बुनियाद बनायेगी। मनरेगा भारत सरकार द्वारा ग्रामीण गरीब एवं कमजोर लोगों के लिए उठाया गया एक क्रांतिकारी कदम है और वर्तमान में यह भारत में सबसे बड़ा स्व-लक्ष्यीकरण कार्यक्रम है। यह सामाजिक सुरक्षा, आजीविका सुरक्षा और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण भारत में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावशाली साधन है। जो नये भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत का आधार होगा।

मनरेगा में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक अंकेक्षण और शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था है, बावजूद मनरेगा में भी भ्रष्टाचार, अफसरशाही, अनियमितता, कोताही के कारण इस महत योजना पर भी समय-समय अंधेरा छाता रहा है। यों तो गिरावट हर स्तर पर है। समस्याएं भी अनेक मुखरित हैं पर राष्ट्रीय चरित्र को विघटित करने वाले भ्रष्टाचार एवं अनियमितता की काली छाया मनरेगा पर न पड़े, इसलिये स्थायी समिति का यह सुझाव स्वागतयोग्य है कि श्रमिकों की संतुष्टि, वेतन में देरी, भागीदारी के रुझान और योजना में वित्तीय अनियमितताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। इसीलिये समिति ने मनरेगा से जुड़े कार्यक्रम की कमियों के बारे में अहम जानकारी प्राप्त करने और मनरेगा की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए आवश्यक नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए देशभर में स्वतंत्र एवं पारदर्शी सर्वेक्षण की सिफारिश की है। समिति ने उभरती चुनौतियों के मद्देनजर योजना को नया रूप देने पर भी जोर दिया है। मनरेगा बदलते वक्त और उभरती चुनौतियों के बावजूद आज भी प्रासंगिक है।

मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करता है, जिससे लोगों को आय प्राप्त होती है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है, यह योजना टिकाऊ संपत्तियां जैसे सड़क, नहर, तालाब, कुएं बनाने पर जोर देती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान करती हैं। भारत आज भी गांवों का देश है, विकास की गंगा गांवों से होकर ही निकलती है। मनरेगा ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां अन्य रोजगार के अवसर सीमित हैं, यह श्रम शक्ति के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं को रोजगार प्रदान करती है, जिससे वे सशक्त हो पाती हैं और समाज में सक्रिय भूमिका निभा पाती हैं। यदि किसी व्यक्ति को मनरेगा के तहत 15 दिनों के भीतर काम नहीं मिलता है, तो उन्हें बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है, जो एक सुरक्षा जाल के रूप में कार्य करता है।

मनरेगा एक बहुआयामी योजना है, जिसके तहत विभिन्न उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाता है, जैसे कि जल संरक्षण संरचनाएं, ग्रामीण सड़कें, और अन्य बुनियादी ढाँचे की परियोजनाएं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती हैं। मनरेगा के तहत रोजगार एक कानूनी अधिकार है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को रोजगार का दावा करने का अधिकार है। इस दूरगामी एवं ग्रामीण जनजीवन के उन्नयन एवं उत्थान के कार्यक्रम के लागू होने के बाद लाखों मजदूरों को काम मिला है। पलायन में काफी हद तक कमी आई। मनरेगा ने साबित किया कि भारत में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वह आज भी उम्मीद की किरण है। इस कार्यक्रम से लाखों अकुशल श्रमिकों और महिलाओं को पूरे वर्ष में सौ दिन के रोजगार की गारंटी मिली। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए। यही वजह है कि इस कार्यक्रम में काम के दिन बढ़ाने की मांग अक्सर उठती रही है।

अब संसद की स्थायी समिति ने भी मनरेगा पर भरोसा जताते हुए काम के दिनों की संख्या बढ़ा कर पांच महीने यानी डेढ़ सौ दिन करने और दैनिक पारिश्रमिक कम से कम चार सौ रुपए करने की सिफारिश की है, जो प्रासंगिक एवं बढ़ती महंगाई को देखते हुए जरूरी है। दरअसल, अभी इस कार्यक्रम के तहत मिलने वाली मजदूरी न्यूनतम जरूरतें एवं बुनियादी दैनिक खर्चों को पूरा करने के लिए भी अपर्याप्त हैं। मजदूरी वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप हों और ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक पारिश्रमिक प्रदान करें। रोजगार योजना के लिए आबंटित राशि में लंबे समय से ठहराव पर समिति की चिंता इसी संदर्भ में है। कोई दो राय नहीं कि इसकी राशि बढ़ने से इसकी प्रभावशीलता बढ़ेगी।

समिति ने कहा, बदलते समय और उभरती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए योजना में सुधार की आवश्यकता है। समिति मंत्रालय से उन विकल्पों पर विचार करने का आग्रह करती है, जिससे मनरेगा अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं प्रभावी बन सके। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्रामीण विकास योजना को बल देने में सहायक है। हालांकि मनरेगा निरन्तर सवालों से घिरी रही है, इसमें वित्तीय अनियमितता की भी शिकायतें मिलती रही हैं। इसके प्रति श्रमिकों का रुझान घटने और मजदूरी देर से मिलने पर सवाल उठते रहे हैं।

ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने तीन साल पहले मनरेगा का विश्लेषण करते हुए कई सुझाव दिए थे। तब उस समिति ने भी इस कार्यक्रम को नया रूप देने के लिए काम के गारंटीशुदा दिनों को सौ से बढ़ा कर डेढ़ सौ करने की सिफारिश की थी और सभी राज्यों में समान मजदूरी दर करने का सुझाव दिया था। अब संसद की समिति ने उन सुझावों पर एक तरह से मुहर लगाई है। अगर मनरेगा में नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए स्वतंत्र और पारदर्शी सर्वेक्षण होगा, तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

मनरेगा ने अपनी तार्किक सार्थकता साबित की है, लेकिन अभी इसमें व्यापक सुधारों की अपेक्षा है। देखने में आ रहा है मनरेगा से लाभान्वित लोगों को अक्सर बिना काम के ही राशि दी जा रही है, सरकार को इन लोगों की श्रम-शक्ति को देश-विकास के कार्यों में नियोजित करने पर भी ध्यान देना चाहिए। मनरेगा योजना के अन्तर्गत कौशल विकास पर बल दिया जाना चाहिए। योजना भले ही अकुशल श्रमिकों के लिए अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है, लेकिन उन्हें अपने कौशल को विकसित करने और बढ़ाने का अवसर मिलने से यह योजना देश-विकास का माध्यम बन सकती है। वनीकरण, जल संरक्षण और सड़क निर्माण जैसी विभिन्न परियोजनाओं में उनकी भागीदारी से श्रमिकों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। वे नए कौशल सीख सकते हैं जिनका उपयोग मनरेगा द्वारा प्रदान किए जाने वाले भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए किया जाएगा। मनरेगा योजना सड़कों, नहरों, तालाबों और सिंचाई सुविधाओं जैसी परिसंपत्तियों के विकास का समर्थन करते हुए रोजगार प्रदान करें, इस योजना को कनेक्टिविटी, कृषि उत्पादकता, वन-विकास से भी जोड़ा जाना चाहिए ताकि प्राकृतिक संसाधनों को बचाने, पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद मिल सके। जिससे ग्रामीण जीवन में नए मनुष्य का जन्म होगा। नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी ग्रामीण संस्कृति पुनः अपने मूल्यों, विरासत एवं उपयोगिता के साथ प्रतिष्ठापित होगी।

मनरेगा योजना अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सहित समाज के हाशिए पर पड़े समूहों को समान पहुँच प्रदान करने पर केंद्रित है। यह सुनिश्चित करता है कि इन कमजोर समूहों को रोजगार तक समान पहुँच मिले और उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव न हो। ताकि एक संतुलित, समानतामूलक एवं आदर्श समाज-व्यवस्था को आकार दिया जा सके। मनरेगा योजना ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, कौशल संवर्धन और पर्यावरणीय स्थिरता में महत्वपूर्ण आयाम बनकर सामने आये। तभी ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाने और भारत में ग्रामीण क्षेत्रों के व्यापक विकास को अवतरित करने का सूरज उदित हो सकेगा।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

न्यायपालिका को भी मीडिया की तरह गोदी में चाहते हैं!

हिंसा, क्रूरता, असत्य बोलना और पाखंड यह कि प्रचार करना कि वह करता है। इसे कई बार हम सास दृष्टि या बाराती मानसिकता भी कहते हैं। सास से मतलब महिला नहीं पूरी ससुराल जिसमें पुरुष भी आते हैं जो उस सोच के हों। वे हर आरोप बहू पर मढ़ते रहते हैं। उद्देश्य वही होता है और दबो! ऐसे ही दूसरी हमारे यहां सबसे खराब मानसिकता होती है बारात की। अच्छा भला आदमी भी बारात में बाराती बन जाता है

-शकील अख्तर

प्रतिक्रियावाद का यह पुराना तरीका है। करो खुद आरोप दूसरे पर लगा दो। प्रतिक्रियावाद दक्षिणपंथ पाखंड पर ही चलता है। मूल उद्देश्य होता है लोगों को बेवकूफ बनाकर अपना काम निकालना। इसके लिए वे कुछ भी कह सकते हैं। किसी पर भी कोई भी आरोप लगा सकते हैं।

ताजा उदाहरण है निशिकांत दुबे का। न्यायपालिका पिछले कुछ समय से काफी दब कर काम कर रही है। लेकिन शिकायत यह है कि वैसी जी हुजुरी में नहीं आ रही जैसी मीडिया आ गई है। बीच-बीच में कुछ फैसले अपनी साख बचाने के लिए दे देती है। हालांकि इससे सरकार पर कोई फर्क नहीं पड़ता मगर इतना सिर उठाना भी वह बर्दाश्त नहीं करती। फासिज्म तानाशाही यही है। लोकतंत्र से चुनकर आकर लोकतंत्र को सीमित करने की कोशिश। नाम संविधान का लेना, सिर पर लगाना। लेकिन काम उसके ठीक विपरीत करना और आरोप दूसरों पर लगा देना।

हिंसा, क्रूरता, असत्य बोलना और पाखंड यह कि प्रचार करना कि वह करता है। इसे कई बार हम सास दृष्टि या बाराती मानसिकता भी कहते हैं। सास से मतलब महिला नहीं पूरी ससुराल जिसमें पुरुष भी आते हैं जो उस सोच के हों। वे हर आरोप बहू पर मढ़ते रहते हैं। उद्देश्य वही होता है और दबो! ऐसे ही दूसरी हमारे यहां सबसे खराब मानसिकता होती है बारात की। अच्छा भला आदमी भी बारात में बाराती बन जाता है। उसके अंदर का दुष्ट भाव पूरी तरह निकल कर सामने आ जाता है कि यह है तो क्यों है? और यह नहीं है तो क्यों नहीं है? और झुको!

निशिकांत दुबे के जरिए भाजपा यही करवा रही है। सुप्रीम कोर्ट पर हमला और व्यक्तिगत रूप से चीफ जस्टिस संजीव खन्ना पर जब लगा कि मैसेज गलत चला गया तो भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी को इससे दूर कर लिया। और निशिकांत दुबे जिनका उपयोग इन दिनों भाजपा सर्वाधिक कर रही है तत्काल दूसरे और असली मुद्दे पर आ गए।

इस बार उन्होंने वही खेल खेला है जो मोदी जी 11 सालों से खेल रहे हैं। मुस्लिम को निशाना बनाना। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी को मुस्लिम आयुक्त बोला। मुस्लिम को निशाने पर रखना। हमेशा संदेह के घेरे में। कोशिश वही कि दूसरे समाज में नफरत बढ़े। कितने आश्चर्य की बात है कि इतने सारे विशेषणों से युक्त मोदी जी जिनमें विश्व गुरु का तमगा भी है 11 साल में भी जीत का कोई सभ्य, सुन्दर दुनिया में प्रचारित करने वाला मॉडल नहीं ढूंढ पाए। वही नफरत भरा विभाजन का तरीका इस्तेमाल किए जा रहे हैं। बांटो और राज करो। हिन्दू-मुसलमान, हिन्दू-मुसलमान!

एसवाई कुरैशी हों या परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद या कोई भी उर्दू नाम वाला या खुद उर्दू ही इनके लिए सब सिर्फ मुस्लिम हैं और मुस्लिम मतलब शक के दायरे में। उर्दू पर याद आया उर्दू शब्द के इस्तेमाल तक पर सवाल उठाने लगे हैं। एक बड़ी खूबसूरत नज्म में कहा गया है कि 'मैंने तो कभी खुद को मुसलमां नहीं माना!इ उर्दू पर लिखी इकबाल अशहर की इस नज्म में कहा गया है कि 'क्यों मुझ को बनाते हो तअस्सुब का निशाना, मैंने तो कभी खुद को मुसलमां नहीं माना!इ तअस्सुब मतलब भेदभाव।

खैर इनकी जो सियासत है, नफरत फैलाने की लोगों को बांटने की वह कब तक चलेगी और देश को कितना फायदा पहुंचाएगी यह देखने की बात है। भाजपा या मोदी तो यह समझते हैं कि उन्हें सत्ता में बने रहने का अचूक फामूर्ला मिल गया है और वे स्थायी रूप से इस पर काबिज रहेंगे।

शुभकामनाएं! और क्या कह सकते हैं। उन्हें आता ही वह है। बस देखना यह है कि देश कितनी तरक्की करता है। खुद ही खुद को विश्वगुरू कहने से विदेशों में मान कितना बढ़ता है। फिलहाल तो अमेरिका से भारतीय स्टूडेंट निकाले जा रहे हैं। उनके वीजा रद्द किए जा रहे हैं। अमेरिका ने जिन विभिन्न देशों के स्टूडेंट के वीजा रद्द किए हैं उन कुल 327 में से आधे भारतीय हैं। बाकी आधे में बहुत सारे देशों के स्टूडेंट हैं। शायद इसमें भी गर्व कर लें कि पचास प्रतिशत की हिस्सेदारी अकेले हमारी है। बाकी पचास में पूरी दुनिया है। लोगों का जहन इतना छोटा समझ लिया है कि उन्हें किसी भी बात पर गर्व करने को कह दो समझते हैं वह कर लेंगे। गोबर पर भी! हथकड़ी बेड़ी लगाकर भारत भेजने पर भी। सामने प्रधानमंत्री को बिठाकर भारत का अपमान करने पर भी। किसी पर भी गर्वित हुआ जा सकता है। इस हीनता बोध (इनफियरटी काम्प्लेक्स) का कोई इलाज नहीं है। इसी के कारण रोज नेहरू का कद छोटा करने की कोशिश होती है। इन्दिरा गांधी और अब राहुल की भी।

मगर राहुल इन सब दौर से निकल चुके हैं। अब उन पर इन तानों, उपहासों, कद कम करने की कोशिश का कोई असर नहीं होता। इसलिए अब उनकी गिरफ्तारी का जाल फैलाया गया है। नेशनल हेराल्ड मामले जिस में एक पैसे का भी यहां से वहां लेन-देन नहीं हुआ उसमें ईडी काला धन ढूंढ रही है। मनी लांड्रिंग। खुद अपनी कही बात भूल जाते हैं। कहा तो यह था कि टेम्पों में भर-भर कर नोट कांग्रेस कार्यालय पहुंच रहे हैं। कार्रवाई उस पर करना थी। मगर आजादी का नाम भी मिटाना है। इसलिए उसकी लड़ाई लड़ने वाले नेशनल हेराल्ड को बदनाम किया जा रहा है। नेहरू का वह अखबार जिसने पूरी दुनिया के सामने आजादी के आन्दोलन की सही तस्वीर रखी। जैसा आज गोदी मीडिया है उस समय भी था।

अंग्रेजों के सारे काले कारनामों को गोरा बनाता था। ठीक आज की तरह। उस समय नेहरू ने वह अखबार निकाला जो आजादी के आन्दोलन का परचम बन गया। आज तो वह उसकी छाया भी नहीं है। क्या लिखता है क्या नहीं खुद राहुल, सोनिया को भी पता नहीं है। अभी जब अहमदाबाद में राहुल संघ के अखबार आर्गनाइजर का जिक्र कर रहे थे। तो हमने लिखा था कि राहुल को आर्गनाइजर के बारे में तो मालूम है क्या लिखता है मगर क्या अपने अखबार नेशनल हेराल्ड के बारे में भी कुछ पता है?

खैर वह समस्या कांग्रेस में हर स्तर पर है। राहुल मेहनत बहुत करते हैं। सबसे बड़ा गुण। डरते नहीं हैं। इस बुरे समय में जब खुलकर कहा जाता है कि डरना तो चाहिए! हरेन पंड्या से लेकर जज लोया तक के उदाहरण दिए जाते हैं तब कोई एक आदमी हिम्मत से खड़ा होता है तो यह बड़ी बात है। अंग्रेजों के टाइम में बहुत अत्याचार होते थे। मगर टारगेट किलिंग नहीं होती थीं।

एनकाउंटर, बुलडोजर की धमकियां नहीं होती थीं। अभी खुलेआम समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को जान से मारने की धमकियां दी जा रही है। ऐसे में राहुल, अखिलेश, तेजस्वी यादव का डटे रहना निश्चित ही रूप से बड़ी बात है। लोकतंत्र के लिए बड़ी उम्मीद है और यह उम्मीद टूटे जनता उसी निराशा में रहे। पांच किलो मुफ्त अनाज ही उसके जीवन का उद्देश्य बन जाए इसलिए उसे हिन्दू-मुसलमान से बाहर सोचने नहीं देते हैं। जो इसके खिलाफ बोलता है उसके खिलाफ ही एक झूठी कहानी शुरू कर देते हैं।

अदालतों ने तो अभी बलात्कार की दोषी खुद लड़की, नाड़ा तोड़ना, कपड़े उतारने की कोशिश यहां तक कि प्राइवेट पार्ट छूने की कोशिश को भी बलात्कार का प्रयास नहीं माना। ऐसे जाने कितने फैसले हैं जो 11 साल पहले नहीं आ सकते थे। खुद चीफ जस्टिस आफ इन्डिया चन्द्रचूड़ ने कहा कि हम विपक्ष नहीं हैं। किसने पूछा था? खुद ही सफाई। क्या मतलब? सत्ता पक्ष हैं और इसीलिए अपने फैसलों के लिए कहते हैं कि वह भगवान ने लिखवाया। सुप्रीम कोर्ट के जज अपना डर लेकर मीडिया के सामने आए। कहा सुप्रीम कोर्ट खतरे में है। लोकतंत्र कैसे बचेगा? बड़ी लड़ाई है। लोकतंत्र बचाने की। संविधान बचाने की। उनके हमले भी तेज हैं। रोज नया तरीका लाते हैं। विभाजन की शक की खाई को बढ़ाने का। खाइयों से देश कैसे बनता है पता नहीं! डूबने का गिरने का खतरा होता है यह सबको पता है। इतिहास यही कहता है! बाकी तो वे जानें जिनके हाथ में सत्ता है। और वे समझते हैं कि हमेशा रहेगी अनादि काल तक!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अमेरिकी उपराष्ट्रपति की 4 दिवसीय भारत यात्रा, आर्थिक और भू-राजनीतिक संबंधों पर होगी चर्चा

(एजेन्सी)।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत आ रहे हैं। यह उनकी पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी, जिसमें उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा चिलुकुरी वेंस और तीन बच्चे भी उनके साथ होंगे। वेंस 21 अप्रैल को भारत पहुंचेंगे और अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान दिल्ली, जयपुर और आगरा का दौरा करेंगे। जेडी वेंस की भारत की आधिकारिक यात्रा 90 दिन की टैरिफ पॉज विंडो के बीच हो रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, परिवार के अलावा, अमेरिकी उपराष्ट्रपति के साथ पेंटागन और स्टेट डिपार्टमेंट के प्रतिनिधियों सहित कम से कम पाँच वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी भी होंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि जेडी वेंस और उनके परिवार का सोमवार, 21 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे पालम स्थित वायुसेना स्टेशन पर स्वागत किया जाएगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि वेंस परिवार दिल्ली के आईटीसी मौर्या शेरेटन होटल में ठहरेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, 21 अप्रैल को दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद वेंस और उनके परिवार के स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर और पारंपरिक भारतीय शिल्प बेचने वाले बाजार का दौरा करने की उम्मीद है। इसके बाद वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे और उनके साथ डिनर करेंगे। 22 अप्रैल को वेंस जयपुर जाएंगे, जहां वे आमेर किले जैसे प्रसिद्ध स्थलों का दौरा करेंगे। 23 अप्रैल को वे आगरा जाएंगे और ताजमहल तथा शिल्पग्राम का दौरा करेंगे। अपनी यात्रा के समापन पर वेंस 24 अप्रैल को सुबह 6:40 बजे भारत से प्रस्थान करेंगे। अमेरिकी सीनेटर जेडी वेंस भारत यात्रा पर आ रहे हैं, जहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस वार्ता में आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक संबंधों पर चर्चा होने की उम्मीद है। दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक बढाना है। चर्चा के मुख्य बिंदुः ऊर्जा विविधीकरण और परमाणु प्रौद्योगिकी में निवेश, द्विपक्षीय व्यापार समझौता और व्यापार वृद्धि और भू-राजनीतिक संबंधों को मजबूत करना। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंधों में नई गति मिलने की उम्मीद है।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को वानखेड़े में रौंदा

(एजेन्सी)।

मुंबई इंडियंस ने रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए, जिसके जवाब में मुंबई इंडियंस ने 26गेंद शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 15.4 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए।

इस दौरान रोहित ने नाबाद 76 रन और सूर्या ने 68 रन बनाए। वहीं चेन्नई के लिए जडेजा ने एक विकेट झटका। आईपीएल 2025 के इस एकतरफा मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर लगातार मुंबई ने तीसरी जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस इस जीत से आठ अंक लेकर कोलकाता नाइटराइडर्स को हटाकर तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई जबकि चेन्नई सुपर किंग्स चार अंक से अंतिम स्थान पर बनी रहेगी।

177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा और रियान रिकल्टन ने बेहतरीन शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 63 रन की पार्टनरशिप हुई। रिकल्टन 19 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए। जिसके बाद रोहित शर्मा (नाबाद 76 रन) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 68 रन) के नाबाद अर्धशतकों तथा दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 54 गेंद में 114 रन की अटूट साझेदारी हुई और दोनों बल्लेबाज नाबाद लौटे।

इससे पहले टॉस गंवाकर बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने धीमी शुरूआत की। डेब्यू करने वाले 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे ने 15 गेंद में चार चौके और दो छक्के से 32 रन का अहम योगदान दिया। फिर दुबे और जडेजा ने चौथे विकेट के लिए 50 गेंद में 79 रन की अहम साझेदारी बनाई। सातवें ओवर में चौथे नंबर पर भेजे गए जडेजा ने 35 गेंद में चार चौके और दो छक्के से अर्धशतकीय पारी खेली जिससे टीम ने अंतिम पांच ओवर में 58 रन जुटाये। दुबे ने 32 गेंद की पारी के दौरान चार छक्के और दो चौके लगाए।

सीएसके ने रचिन रविंद्र (05) के रूप में पहला विकेट 16 रन के स्कोर पर गंवा दिया। इसके बाद शेख रशीद (19) और म्हात्रे ने 22 गेंद में 41 रन जोड़े। पर इसमें म्हात्रे के शॉट आकर्षक रहे। उन्होंने अपनी दूसरी ही गेंद का सामना करते हुए इसे चौके के लिए भेज दिया। अश्विनी कुमार की तीसरी गेंद को उन्होंने डीप मिडविकेट पर छक्के के लिए भेजा और चौथी पर फिर छक्का जड़ दिया। पर म्हात्रे की पारी सातवें ओवर में दीपक चाहर की लेग कटर गेंद पर खत्म हुई। उनकी गेंद को उठाने के प्रयास में वह लांग ऑन पर मिचेल सेंटनर के हाथों लपके गए। बाएं हाथ के स्पिनर सेंटनर ने फिर रशीद का विकेट झटक लिया।

सीएसके की टीम 13वें ओवर तक तीन विकेट पर 92 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। लेकिन दुबे ने जिम्मेदारी से खेलते हुए हार्दिक पंड्या के ओवर में मिड विकेट पर छक्का जड़ा, फिर ट्रेंट बोल्ट पर एक चौका और फाइन लेग पर छक्का जड़कर उनके ओवर में 15 रन जुटाए। 16वें ओवर में दुबे ओर जडेजा ने बायें हाथ के गेंदबाज अश्विनी कुमार पर तीन छक्के और एक चौका लगाकर 24 रन जुटाकर वापसी का प्रयास किया। पर दुबे अगले ओवर में बुमराह का शिकार हो गए। मुंबई इंडियंस के लिए जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 25 रन देकर दो विकेट झटके। दीपक चाहर, अश्विनी कुमार और मिचेल सेंटनर को एक एक विकेट मिला।

दिल्ली से बेंगलुरु तक बंद हुई ब्लूस्मार्ट कैब की सेवाएं

(एजेन्सी)।

इलेक्ट्रॉनिक कैब सर्विस देने वाली कंपनी ब्लूस्मार्ट की सर्विस अब बंद कर दी गई है। दिल्ली से लेकर बेंगलुरु तक कंपनी की सर्विस को रोक दिया गया है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में ग्राहकों को अब ब्लू स्मार्ट कैब की सर्विस नहीं मिल सकेगी। लोन फर्जीवाड़ा मामले में सेबी द्वारा लिए गए एक्शन के बाद कंपनी को अपनी सेवाएं बंद करना पड़ा है। सेवाएं बंद करने को लेकर कंपनी ने कहा कि बुधवार की शाम से ही कंपनी ने बुकिंग लेना बंद कर दिया है। बुकिंग सर्विस ना लेने का सिलसिला गुरुवार 17 अप्रैल को भी जारी रहा। इस कदम के बाद ब्लूस्मार्ट कैब के ड्राइवरों की नौकरी पर भी तलवार लटकने लगी है। कैब सर्विस बंद होने से लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा है। सोशल मीडिया पर भी इस संबंध में जानकारी लोगों ने शेयर की है। वहीं ब्लूस्मार्ट ने अपने ग्राहकों को भी ईमेल भेजकर सर्विस के बंद होने की जानकारी दी है। इस ईमेल में कंपनी ने लिखा कि अस्थाई तौर पर ब्लूस्मार्ट ऐप की बुकिंग को बंद कर दिया गया है। बता दें कि सेबी ने अक्षय ऊर्जा कंपनी जेनसोल के खिलाफ फॉरेंसिक जांच के आदेश दिए है। इसके दोनों प्रमोटर्स यानी दोनों भाई अनमोल जग्गी व पुनित जग्गी को शेयर बाजार से बैन किया है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक लाभ ओला, ऊपर, रैपिडो और इनड्राइव का हुआ है, जिन्हें ब्लू स्मार्ट की सर्विस बंद होने के बाद नए ग्राहक भी मिलेंगे। ये जानकारी भी मिल रही है कि इसका सबसे अधिक लाभ ऊबर को मिलेगा। निवेशकों की मानें तो कंपनी अपना दबदबा अधिक बढ़ाएगी। कई यूजर्स ने भी ऐसा ही संकेत दिया है। ऊपर के एप्लीकेशन लगभग 50 करोड़ यूजर्स के पास डाउनलोड किए हुए है। वहीं ओला, रैपिडो या डनड्राइव डाउनलोड करने वालों की संख्या लगभग 10 करोड़ के आसपास है।

आध्यात्म की राह पर निकली ममता कुलकर्णी

(एजेन्सी)। अपने जमाने की बेहतरीन अभिनेत्री ममता कुलकर्णी 20 अप्रैल को अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। आज भी एक्ट्रेस के 'राणा जी माफ करना' गाने को लोग सुनना पसंद करते हैं। एक्ट्रेस ने अपनी एक्टिंग से लोगों के दिलों पर राज किया था। ममता कुलकर्णी ने जितना अभिनय से सुर्खियां बटोरी, उतनी ही उनकी असल जिंदगी भी विवादों में घिरी रहीं। हालांकि एक समय ऐसा भी आया, जब उनको विवादों के कारण फिल्में मिलना बंद हो गईं और वह फिल्म इंडस्ट्री से दूर हो गईं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... मुंबई में 20 अप्रैल 1972 को ममता कुलकर्णी का जन्म हुआ था। एक बार ममता कुलकर्णी ने बताया था कि वह कभी भी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं। लेकिन उन्होंने अपनी मां की मर्जी के आगे मजबूर होकर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था।

क्या फूड पॉइजनिंग भी एक से दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है?

अक्सर बाहर के अनहाइजीनिक तरीके से बने तले-भुने फूड्स को खाकर लोग फूड पॉइजनिंग की समस्या का सामना करते हैं। स्वाद के कारण लोग घर के बने साफ और पौष्टिक खाने को छोड़कर बाहर का खाना पसंद करते हैं। यह खाना स्वादिष्ट होता है, लेकिन सेहत के लिए उतना ही नुकसानदायक भी होता है। आज के इस आर्टिकल में हम फूड पॉइजनिंग के बारे में बात करेंगे। फूड पॉइजनिंग खाने को दूषित करने वाले बैक्टीरिया, वायरस, या अन्य सूक्ष्मजीवों के कारण होती है। ऐसे में कई लोगों के मन में यह सवाल आता है कि क्या फूड पॉइजनिंग की समस्या संक्रामक हो सकती है? आइए इस सवाल का जवाब डॉ. हर्ष कपूर, अध्यक्ष - मेट्रो इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटोलॉजी, मेट्रो हॉस्पिटल, नोएडा से विस्तार में जानते हैं।

फूड पॉइजनिंग क्या है?-

फूड पॉइजनिंग एक ऐसी स्थिति है, जिसमें खाने में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस या अन्य जीवाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इससे शरीर में गुड और बैड बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ जाता है और व्यक्ति बीमार हो जाता है। यह स्थिति आमतौर पर खाने की खराब गुणवत्ता या अस्वच्छता के कारण उत्पन्न होती है। आमतौर पर ई. कोली बैक्टीरिया के कारण फूड पॉइजनिंग की समस्या हो सकती है। यह बैक्टीरिया कुछ मिल्क प्रोडक्ट्स में पाया जा सकता है। खासकर बिना पाश्चुरीकृत दूध और उन उत्पादों में जो कच्चे दूध से बनाए जाते हैं। इसके अलावा, अगर खाने को सही तरह से स्टोर न किया जाए, तो अन्य फूड्स में भी यह बैक्टीरिया पनप सकता है।

फूड पॉइजनिंग के लक्षण क्या हैं?-

फूड पॉइजनिंग की स्थिति में शरीर के अंदर कई लक्षण नजर आ सकते हैं।

- पानी जैसे दस्त
- पेट में ऐंठन
- उल्टी
- बुखार
- सिरदर्द
- शरीर में कमजोरी
- पेट में दर्द
- मतली

फूड पॉइजनिंग संक्रामक है या नहीं?

डॉ. हर्ष कपूर के मुताबिक, कुछ बैक्टीरिया, वायरस या परजीवियों के कारण होने वाली फूड पॉइजनिंग संक्रामक हो सकती है। ऐसे में आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप इस समस्या को फैलने से रोकना चाहते हैं, तो कुछ टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

फूड पॉइजनिंग के लक्षण गायब होने तक स्कूल या काम पर जाने से बचें। इस दौरान आपको घर पर रहने की कोशिश करनी चाहिए।

शौचालय जाने के बाद और पशु या मानव मल के संपर्क में आने के बाद आपको अपने हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोना चाहिए।

इसके बाद जब तक फूड पॉइजनिंग के लक्षण गायब न हो जाएं और आप बेहतर महसूस न करें, तब तक भोजन या पेय पदार्थ न बनाएं और न ही छुएं।

बच्चों को सिखाएं कि वे अपने हाथ ठीक से कैसे धो सकते हैं। इस स्थिति में हाइजीन का ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। आपको घर में आमतौर पर छुई जाने वाली सतहों को कीटाणुरहित करना चाहिए। ऐसे में आप लाइट स्विच, दरवाजे के हैंडल, काउंटर टॉप, रिमोट कंट्रोल आदि को साफ रख सकते हैं।

आखिर में प्रत्येक उपयोग के बाद बाथरूम शौचालय को कीटाणुनाशक वाइप्स या स्प्रे से साफ जरूर करें।

इसे भी पढ़ें- हैदराबाद में मोमोज खाने के बाद महिला की मौत, 20 बीमार, जानें कैसे स्ट्रीट फूड्स बनते हैं फूड पॉइजनिंग का कारण कुल मिलाकर, फूड पॉइजनिंग की समस्या संक्रामक हो सकती है। आपको इससे बचने के लिए ऊपर बताई टिप्स को फॉलो करना चाहिए। यह सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद हो सकती है। साथ ही, फूड पॉइजनिंग को गंभीर रूप लेने से रोक सकती हैं।

क्या टूथपेस्ट में फ्लोराइड होना नुकसानदायक होता है?

आमतौर पर फ्लोराइड वाले टूथपेस्ट करना सेहत या ओरल हेल्थ के लिए नुकसानदायक नहीं होते हैं। इसका इस्तेमाल करने से दांतों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है।

ओरल हेल्थ को दुरुस्त रखने के लिए नियमित तौर पर ब्रश करना जरूरी होता है। टूथपेस्ट भी कई तरह के होते हैं। कुछ लोग आयुर्वेदिक टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं तो कुछ लोगों को हर्बल और कुछ को टर्टर टूथपेस्ट करने की आदत होती है। आमतौर पर लोग दांतों को साफ रखने के लिए वाइटनिंग टूथपेस्ट का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, कई लोगों को फ्लोराइड टूथपेस्ट करना पसंद होता है। लेकिन, कुछ लोगों का मानना है कि फ्लोराइड टूथपेस्ट करना ओरल हेल्थ के लिए नुकसानदायक साबित होता है।

हालांकि, इस टूथपेस्ट में कुछ मिनरल्स पाए जाते हैं, जो दांतों में कीड़े लगने से बचाने में मदद करता है। कई बार ज्यादा कैमिकल युक्त टूथपेस्ट करने से आपके दांतों और मसूड़ों में समस्या हो सकती है।

आमतौर पर आपको अपने दांतों के हिसाब से टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। बालाजी डेंटल क्लीनिक के सीईओ और फाउंडर डॉ. दिनेश सोनी से जानते हैं क्या टूथपेस्ट में फ्लोराइड होना सच में नुकसानदायक होता है? -

क्या टूथपेस्ट में फ्लोराइड होना सच में नुकसानदायक होता है?

डॉक्टर के मुताबिक आमतौर पर फ्लोराइड वाले टूथपेस्ट करना सेहत या ओरल हेल्थ के लिए नुकसानदायक नहीं होते हैं। इसका इस्तेमाल करने से दांतों पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है। बल्कि, फ्लोराइड टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से ओरल हेल्थ अच्छी रहती है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल करना सुरक्षित माना जाता है। अगर सही और सीमित मात्रा में इसका इस्तेमाल किया जाए तो यह आपके दांतों को बैक्टीरिया का भी सफाया करता है।

फ्लोराइड टूथपेस्ट करने के फायदे

- फ्लोराइड टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना ओरल हेल्थ के लिए कई तरीकों से फायदेमंद हो सकता है।
- फ्लोराइड टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से डिमिनरलाइजेशन की प्रक्रिया धीमी होती है।
- इसका इस्तेमाल करने से आपके दांतों में लगने वाले बैक्टीरिया से बचाव होता है।
- ऐसा करने से आपके दांतों में सड़न होने से बचाव होता है।
- अगर आपके दांतों में कैविटी लगी है तो भी यह टूथपेस्ट करना आपके लिए कारगर साबित हो सकती है।

दांतों को स्वस्थ रखने के तरीके

- दांतों और ओरल हेल्थ को अच्छा रखने के लिए आपको नियमित तौर पर ब्रश करना चाहिए।
- इसके लिए आपको नियमित तौर पर दांतों की सफाई का ध्यान रखना चाहिए।
- दांतों में फंसा हुआ खाना निकालने के लिए आप फ्लॉस का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- दांतों को स्वस्थ रखने के लिए आपको रात में सोने से पहले मीठी चीजें खाने से परहेज करना चाहिए।
- दांतों को हेल्दी रखने के लिए आप माउथवॉश का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- इसके लिए आपको रोजाना पर्याप्त पानी पीने की जरूरत है।

क्या बच्चों को कच्चा दूध पिलाना सुरक्षित है? एक्सपर्ट से जानें

छोटे बच्चों के लिए पोषण का चुनाव करते समय माता-पिता अक्सर इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि उन्हें कौन से खाद्य पदार्थ देने चाहिए और कौन से नहीं। दूध को पोषण का एक जरूरी स्रोत माना जाता है, लेकिन जब बात कच्चे दूध (Raw Milk) की आती है, तो यह सवाल उठता है कि क्या इसे छोटे बच्चों को दिया जाना चाहिए? कच्चा दूध सीधे गाय, भैंस या बकरी से प्राप्त किया जाता है और इसमें किसी प्रकार की प्रोसेसिंग नहीं की जाती, जिससे इसके पोषक तत्व प्राकृतिक रूप में मौजूद रहते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि कच्चा दूध पाश्चराइज्ड दूध की तुलना में ज्यादा फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें ज्यादा एंजाइम, विटामिन और गुड बैक्टीरिया होते हैं। हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि कच्चे दूध में हानिकारक बैक्टीरिया जैसे ई. कोलाई, साल्मोनेला और लिस्टेरिया हो सकते हैं, जो छोटे बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि कच्चा दूध बच्चों के लिए सही विकल्प है या नहीं। इस लेख में हम जानेंगे कि एक्सपर्ट्स का इस पर क्या कहना है और बच्चों के लिए कौन सा दूध सबसे सुरक्षित है और कच्चे दूध का सेवन बच्चों को करवाना ठीक है या नहीं। इस वषिय पर बेहतर जानकारी के लिए हमने लखनऊ के वकिास नगर में स्थति न्यूट्रविाइज क्लीनकि की न्यूट्रशिनस्टि नेहा सन्हिा से बात की।

> “बच्चों के लिए दूध का चुनाव करते समय हमेशा उसके पोषण मूल्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। जानें बच चे को कच्चा दूध देना चाह एि या नहीं।”

क्या बच्चों को कच्चा दूध पिलाना सुरक्षित है?-

बच्चों को कच्चा दूध पलिाना सुरक्षति नहीं है। इस विषय पर एक्सपर्ट्स का कहना है कि छोटे बच्चों को कच्चे दूध के मुकाबले पाश्चराइज्ड मल्कि देना ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। पाश्चराइजेशन एक प्रक्रिया है, जिसमें दूध को एक निश्चित तापमान पर गर्म करके उसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म कर दिया जाता है, जिससे यह सुरक्षित और ज्यादा सेहतमंद बनता है।विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे दूध के पोषक तत्वों को बनाए रखने के लिए उसे उबालकर दिया जा सकता है। उबला हुआ दूध बैक्टीरिया से मुक्त होता है और बच्चों की पाचन क्रिया के लिए ज्यादा सुरक्षित होता है। इसके अलावा, अगर बच्चा दूध से एलर्जी और लैक्टोज इंटॉलरेंस से पीड़ित है, तो उसे लैक्टोज-फ्री दूध या सोया दूध जैसे अन्य विकल्प भी दिए जा सकते हैं। 2 साल की उम्र के बाद, बच्चों को कम फैट वाला दूध दिया जा सकता है, लेकिन पूरी तरह से स्किम्ड मल्कि देने से बचना चाहिए क्योंकि इसमें जरूरी पोषक तत्व कम होते हैं।

छोटे बच चों के ल एि कच्चे दूध के नुकसान:

एक्सपर्ट्स का कहना है कि कच्चे दूध में बैक्टीरिया और हानिकारक सूक्ष्मजीव हो सकते हैं, जो बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं-

सबसे बड़ा खतरा बैक्टीरियल इंफेक्शन का होता है। कच्चे दूध में ई. कोलाई, साल्मोनेला, लिस्टेरिया जैसे बैक्टीरिया मौजूद हो सकते हैं, जो पेट में इंफेक्शन, उल्टी, दस्त और बुखार का कारण बन सकते हैं। छोटे बच्चों की इम्यूनिटी विकसित हो रही होती है, इसलिए वे इन इंफेक्शन के प्रति ज्यादा सेंसटिवि होते हैं।

इसके अलावा, कच्चा दूध पीने से फूड पॉइजनिंग का खतरा भी रहता है, जो शरीर में डिहाइड्रेशन और कमजोरी का कारण बन सकता है। कई मामलों में, यह इंफेक्शन इतना गंभीर हो सकता है कि बच्चों को अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आ सकती है।

कुछ बच्चों में लैक्टोज इंटॉलरेंस की समस्या होती है, जिससे वे दूध में मौजूद लैक्टोज को पचा नहीं पाते। कच्चा दूध लैक्टोज से भरपूर होता है, जो पाचन तंत्र पर दबाव डाल सकता है और गैस, पेट दर्द और अपच जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है।

इसके अलावा, अगर दूध को सही तरीके से कलेक्ट नहीं किया गया या दूषित वातावरण में रखा गया, तो यह जल्दी खराब हो सकता है और बच्चे को बीमार कर सकता है। इसलिए, एक्सपर्ट्स कच्चे दूध को उबालकर या पाश्चराइज्ड रूप में देने की सलाह देते हैं, ताकि इंफेक्शन के खतरे को कम किया जा सके।

छोटे बच्चों को कच्चे दूध की जगह पाश्चराइज्ड मल्कि ही दें। ताजा दूध खरीद रहे हैं, तो उसे बच्चे को उबालकर पलिाएं।

उम्मीद करते हैं कआिपको यह जानकारी पसंद आई होगी। इस लेख को शेयर करना न भूलें।

क्या दूध से शरीर में क्रिएटिनिन बढ़ता है?

> “डॉक्टर से जानें किडनी के मरीजों के लिए इसका सेवन कितना सही”

दूध पीना सेहत के लिए बेहद जरूरी है। ये एक प्रकार का कंप्लीट फूड है जिसमें कई प्रकार के न्यूट्रीएंट्स पाए जाते हैं। जहां ये शरीर में कई प्रकार के विटामिन की कमी को दूर करने वाला है वहीं इसके सेवन से प्रोटीन की कमी नहीं होती। लेकिन, क्या हर किसी के लिए दूध का सेवन फायदेमंद है? जैसे कि जिन लोगों में लैक्टोज इंटॉलरेंस की समस्या होती है उन्हें दूध नहीं पचता। इसी प्रकार से किडनी के मरीजों के लिए भी दूध पचाना आसान नहीं होता है। दरअसल, किडनी के मरीजों के लिए दूध का सेवन कई बार दिक्कत बढ़ाने वाला भी हो सकता है। इसकी वजह से किडनी का काम काज काफी बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। कैसे, जानते हैं Dr. Bhumesh Tyagi, Senior Consultant-Internal Medicine, Sharda Hospital से।

क्या दूध से क्रिएटिनिन लेवल बढ़ता है-

Bhumesh Tyagi बताते हैं कि दूध स्वस्थ व्यक्तियों में क्रिएटिनिन के स्तर को सीधे नहीं बढ़ाता है। हालांकि, किडनी के रोगियों के लिए, दूध का सेवन किडनी की बीमारी के स्टेज के आधार पर चिंता का विषय हो सकता है। क्रिएटिनिन किडनी द्वारा फिल्टर किया जाने वाला एक अपशिष्ट उत्पाद यानी वेस्ट प्रोडक्ट है। क्रिएटिनिन का बढ़ा हुआ स्तर अक्सर किडनी की शिथिलता यानी काम काज में कमी का संकेत देता है। दरअसल, किडनी की बीमारी में, क्रिएटिनिन सहित किसी भी प्रकार के वेस्ट को फिल्टर करने की किडनी की क्षमता कम हो जाती है।

क्या किडनी का मरीज दूध ले सकता है-

दूध में प्रोटीन, खास तौर पर कैसिइन (casein) भरपूर मात्रा में होता है और प्रोटीन का अत्यधिक सेवन किडनी पर दबाव डाल सकता है, जिससे उनके लिए वेस्ट को अच्छी तरह से फिल्टर करना मुश्किल हो जाता है। क्रोनिक किडनी रोग (CKD) वाले रोगियों के लिए, ज्यादा प्रोटीन का सेवन किडनी की क्षति को बढ़ा सकता है, जिससे संभावित रूप से क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ सकता है।

किडनी रोग के शुरुआती चरणों में, मध्यम मात्रा में दूध का सेवन क्रिएटिनिन के स्तर को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं कर सकता है। हालांकि, जैसे-जैसे किडनी का काम काज बिगड़ता है, रोगियों के लिए अपने प्रोटीन सेवन को ध्यान में रखना जरूरी हो जाता है। क्योंकि ज्यादा प्रोटीन का सेवन यानी ज्यादा मात्रा में किडनी पर प्रेशर। इस तरह से किडनी बेहतर तरीके से काम नहीं कर पाती है और फिर शरीर के लिए चीजें और भी मुश्किल हो जाती हैं।

ध्यान देने वाली बात ये है कि National Library of Medicine की एक रिपोर्ट बताती है कि किडनी की पथरी वाले रोगियों को पशु आधारित प्रोटीन, सोडियम और ऑक्सालेट से बचना चाहिए और उन्हें इसी के अनुसार फलों और सब्जियों का चुनाव करना चाहिए। क्रोनिक किडनी रोग (CKD) के रोगियों में सोडियम, पोटेशियम और ऑक्सालेट से भरपूर चीजों के सेवन को थोड़ा कम करना चाहिए क्योंकि इससे किडनी पर प्रेशर पड़ सकता है और फिल्ट्रेशन का काम प्रभावित हो सकता है।

संत किसी एक समाज के न होकर बल्कि समस्त समाज के होते है: जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि संत किसी एक समाज के न होकर बल्कि समस्त समाज के होते है। हमें उनके मूल्यों और आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए।

विधायक रविवार को सेक्टर-32 में रविदासिया समाज सेवा संघ द्वारा गुरु रविदास धर्मशाला, छात्रावास एवं पुस्तकालय के बेसमेंट के शिलान्यास अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में सबसे पहले विधायक जगमोहन आनंद ने श्री गुरु रविदास जी व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस मौके पर रविदासिया समाज सेवा संघ द्वारा विधायक को श्री गुरु

रविदास जी की प्रतिमा भेंट की गई तथा पगड़ी पहनकर उनका सम्मान किया गया।

इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर, भाजपा नेत्री मीना चौहान, निगम पार्षद अमृत लाल जोशी, पार्षद प्रतिनिधि सुभाष कोच, प्रधान पृथ्वी सिंह, वरिष्ठ उप-प्रधान पीएल सिंह, महासचिव रामपाल चोपड़ा, आरएम सरोहा, नफे सिंह रंगा सहित भारी संख्या में स्थानीय नागरिक, सभा के सदस्यगण व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गत दिवस तक कुल चार लाख 70 हजार 471 मीट्रिक टन गेहूं की हुई खरीद: डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि जिला में विभिन्न एजेंसियों द्वारा गत दिवस तक कुल चार लाख 70 हजार 471 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद गई है। जिले में गेहूं की कुल आवक में से एक लाख 55 हजार 34 मीट्रिक टन गेहूं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा, एक लाख 95 हजार 439 हैफेड द्वारा तथा एक लाख 19 हजार 998 मीट्रिक टन गेहूं हरियाणा वेयरहाउसिंग कोपोरेशन द्वारा खरीदा गया है।

उपायुक्त कैथल प्रीति।

उन्होंने बताया कि अगोंध मंडी में 5375 मीट्रिक टन, अरनोली में मंडी में 4734 मीट्रिक टन, बाबा लदाना में 11611 मीट्रिक टन, बड़सीकरी खुर्द में 6534 मीट्रिक टन, बलबेहड़ा मंडी में 1351 मीट्रिक टन, बालू में 7429 मीट्रिक टन, बरटा में 5174 मीट्रिक टन, बौपुर मंडी में 1182 मीट्रिक टन, भागल में 5688, भूसला मंडी में 4628 मीट्रिक टन, चीका मंडी में 83 हजार 551 मीट्रिक टन, डीग में 1739 मीट्रिक टन, धनौरी 3934 मीट्रिक टन, फर्शमाजरा में 2924 मीट्रिक टन, गोहरां में 6201 मीट्रिक टन, गुहणा में 1612 मीट्रिक टन, हाबड़ी मंडी में 6064 मीट्रिक टन, जाखौली मंडी में 4791 मीट्रिक टन, कैलरम में 3688 मीट्रिक टन, कैथल पुरानी मंडी में 9391 मीट्रिक टन, कैथल नई अनाज मंडी में 45 हजार 344 मीट्रिक टन, कैथल अतिरिक्त नई अनाज मंडी में 36 हजार 155 मीट्रिक टन, कलायत अनाज मंडी में 41 हजार 729 मीट्रिक टन, कमहेड़ी अनाज मंडी में 936 मीट्रिक टन, कांगथली में 4867 मीट्रिक टन, करोड़ा में 9033 मीट्रिक टन, क्योड़क में 6146 मीट्रिक टन, किठाना में 17424 मीट्रिक टन, पाड़ला में 3929 मीट्रिक टन, पाई 18 हजार 724, पूंडरी में 27 हजार 102 मीट्रिक टन, राजौंद अनाज मंडी में 15 हजार 320 मीट्रिक टन, रामथली में 15 हजार 197 मीट्रिक टन, रसीना में 4264 मीट्रिक टन, सजूमा में 1896 मीट्रिक टन, सांघन अनाज मंडी में 5020 मीट्रिक टन, सेरधा में 4300 मीट्रिक टन, सीवन में 14 हजार 802 मीट्रिक टन तथा सोलूमाजरा में 20 हजार 682 मीट्रिक टन गेहूं खरीद की गई।

कैथल पुलिस का साइबर जागरूकता अभियान निरंतर जारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद/कैथल। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बढते साइबर क्राइम को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल के आदेशानुसार जिला पुलिस की टीमें जिले में विभिन्न स्थानों पर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को साइबर अपराधों बारे जागरूक कर रही है। रविवार को एसपी राजेश कालिया के कुशल मार्गदर्शन में बस स्टेण्ड राजौंद व महाराणा प्रताप चौक राजौंद पर साइबर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध के तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

प्रवक्ता ने बताया इस दौरान साइबर थाना प्रभारी पी.एस.आई शुभ्राशु की अगुवाई में पुलिस टीम द्वारा आमजन को बताया गया की आज के समय साइबर अपराध चरम पर है आए दिन नए-नए तरीकों से लोगों को ठगा जा रहा है। इन्हें रोकने के लिए जागरूक होने की जरूरत है। सभी को समझना होगा कि साइबर अपराध करने वाले लोग बडे ही चालाक किस्म के हैं जिनसे सभी को बचना होगा। वैसे जिला में साइबर क्राइम थाना, साइबर सैल और साइबर हेल्प डेस्क गठित है, जो लगातार इस दिशा में काम रही है। इसके लिए बड़े सोशल प्लेटफॉर्म को सावधानी और सतर्कता के साथ प्रयोग करना जरूरी है। आज जिस तरह से अपराधियों के द्वारा साइबर अपराध को अपराध का एक सशक्त माध्यम बनाकर प्रयोग किया जा रहा है। उससे बचने के लिए स्वयं जागरूक होकर दूसरों को भी जागरूक करना होगा। इस दौरान उन्होंने

साइबर ठगी होने पर डायल 1930 कर अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करा कर ठगी रकम प्राप्त कर सकते हैं वापिस

साइबर क्राइम संबंधित संचार साथी पोर्टल तथा टेफको पोर्टल के बारे में भी बताया जिसमें अपना फोन नंबर इंटर करके यह पता लगाया जा सकता है कि एक आदमी के नाम से कितने सिम जारी हुई अगर कोई सिम आपने जारी नहीं करवाई है तो आप उसको उक्त पोर्टल पर रिपोर्ट करके बंद करवा सकते हैं। इस दौरान साइबर विशेषज्ञ ने आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम ऑनलाइन वित्तीय ठगी से बचाव, फेसबुक हैकिंग, बारकोड के माध्यम से होने वाले फ्रॉड, व्हाट्सएप हैकिंग से बचाव, फर्जी वेबसाइट से होने वाले फ्रॉड के संबंध में सावधानियां बरतने की सलाह दी। फेसबुक, इंस्ट्राग्राम, व्हाट्सएप आदि सोशल साइट्स से हनी ट्रैप के संबंध में सभी को जागरूक रहने के लिए कहा गया।

सिम कार्ड के माध्यम से, एटीएम कार्ड बदलकर, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड के माध्यम से, बायोमैट्रिक, क्यूआर कोड स्कैन, सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्ति से दोस्ती, फर्जी कॉल, अनजान व्हाट्सएप वीडियो कॉल, ऑनलाइन लोन देने वाले ऐप, सोशल मीडिया पर रुपयों की मांग करने वालों से, गूगल से कस्टमर केयर नंबर सर्च करने बारे, यूपीआई संबंधी फ्राड के प्रति एवं साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 बारे भी जागरूक किया गया।

बिरुआबाड़ी मंदिर में श्री शिव शक्ति मानव सेवा समिति ने 19वीं बार कराया बाबा बर्फानी का रुद्राभिषेक व भंडारा

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। श्री शिव शक्ति मानव सेवा समिति रजि० बदायूं द्वारा अमरनाथ यात्रा में 19 वां भंडारा लगाने से पूर्व दिनांक 20 अप्रैल 2025 रविवार को बिरुआ बाड़ी मंदिर बदायूं में भोले नाथ बाबा बर्फानी का रुद्राभिषेक एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए समिति के जनरल सेक्रेटरी शमसुद्दीन शम्स ने बताया कि विगत 18 वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री अमरनाथ की यात्रा में भंडारे का आयोजन करने से पूर्व 20 अप्रैल रविवार को बिरुआबाड़ी मंदिर बदायूं में श्री शिव शक्ति मानव सेवा समिति की ओर से बाबा बर्फानी का रुद्राभिषेक प्रातः 10:00 बजे से 1:00 तक किया गया। तदोपरांत विशाल भंडारे का आयोजन कन्या भोज से आरंभ किया गया। देर शाम तक विशाल भंडारे का आयोजन जारी रहा।

मुख्य यजमान के रूप में बाबूजी सूर्य प्रकाश वैश्य, अतुल नंदन, राजीव

कश्यप, राकेश बरेली, राजीव वैश्य आदि की सहभागिता रही। संस्था संरक्षक संजय पाराशरी व प्रधान तुषार पाराशरी ने बताया कि यह कार्यक्रम संस्था के मुख्य यजमानों एवं संस्था के सदस्यों के सहयोग से संपन्न होता है। उन्होंने कहा कि श्री शिव शक्ति मानव सेवा समिति विगत 18 वर्षों से लगातार अमरनाथ यात्रा में भंडारा लगाने का कार्य करती आ रही है और प्रत्येक वर्ष अमरनाथ की यात्रा में जाने से पूर्व जनपद बदायूं में बाबा भोलेनाथ का रुद्राभिषेक और भंडारे का आयोजन करती रही है। उन्होंने सभी शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में बाबा अमरनाथ यात्रा में सहभागिता करने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर संजय पाराशरी, अमन पाराशरी, तुषार पाराशरी, समीर पाराशरी, नगर विधायक महेश गुप्ता डॉ नेत्रपाल शैलानी, इंतजार हुसैन, दीपमाला गोयल पूर्व चेयरपर्सन, राहुल चौबे, अमन गोयल, अनुराग कश्यप, श्याम साहू सभासद, भाजपा महिला नगर अध्यक्ष जया साहू, भाजपा नेता मनोज गुप्ता बिट्टन, नम्रता शर्मा, रितु शर्मा, अन्नू पंडित, विजेंद्र पाल आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के राशि का हुआ आवंटन

एसबी संवाददाता

अकबरनगर। आवास और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास (शहरी) योजना 2०0 अन्तर्गत नगरपंचायत अकबरनगर को तीन करोड ग्यारह लाख रुपए का आवंटन प्राप्त हुआ। जिसमे नगरपंचायत अकबरनगर के अध्यक्ष किरण देवी ने मौजूदा सरकार के प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के कैबिनेट टीम के प्रति आभार प्रकट किया साथ ही नगरपंचायत अकबरनगर के सभी निर्वाचित पार्षद को भी धन्यवाद दिया और कहा कि सभी पार्षद का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। सभी जनप्रतिनिधि सच्चाई और लगन से मेहनत का परिणाम आज नगरपंचायत अकबरनगर के भवन विहीन गरीब परिवार को रहने का घर होगा गरीब परिवार भी छत के मकान मे अपना जीवन यापन सुरक्षित रूप से करेंगे गरीब परिवार के बच्चे भी छत के नीचे पढेंगे, सोएंगे उनके मन का सपना पूरा होगा। खुशी व्यक्त करने वालों मे अध्यक्ष प्रतिनिधि अंजीत कुमार पार्षद नीषु प्रिया, अमृता कुमारी, शंकर दास, पिन्टू कुमार, कन्हैया कुमार, कहकशां प्रवीण आदि थे।

मिजोरम टीम की 4 सदस्यीय कमेटी द्वारा किया गया पोषण ट्रैकर ऐप का निरीक्षण: सीमा प्रसाद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला कार्यक्रम अधिकारी सीमा प्रसाद ने बताया कि भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही पोषण अभियान के तहत मिजोरम टीम की 4 सदस्यीय कमेटी द्वारा 2 दिन पोषण ट्रैकर ऐप का निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा 6 ग्राम पंचायत और 12 आंगनबाड़ी केंद्रों की गहराई से निरीक्षण किया गया। मिजोरम टीम द्वारा प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों का खुद कद और वजन लेकर पोषण ट्रेकर से मिलान किया गया।

उन्होंने बताया कि टीम द्वारा गर्भवती व दूध पिलाने वाली महिलाओं से बातचीत की गई कि और पूछा गया कि उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र से क्या-क्या राशन मिलता है।

पोषण ट्रैकर ऐप का डाटा मिलान किया गया कि गर्भवती व दूध पिलाने वाली महिलाओं का ऑनलाइन डाटा फीड किया गया है या नही। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में पानी की सुविधा, केंद्र के शौचालय, बिजली व्यवस्था व पोषण वाटिका का निरीक्षण किया गया।

इस मौके पर जिला समन्वयक अंजू बूरा, नीलोखेड़ी परियोजना अधिकारी राजबाला, निसिंग परियोजना अधिकारी संतोष सहित संबंधित केंद्रों की सुपरवाईजर और सरपंच उपस्थित रहें।

घरों तक नहीं पहुंच रहा नल के जल का पानी, ग्रामीणों ने जतायी नाराजगी

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक(बेगूसराय)। प्रखंड क्षेत्र की गणपतौल पंचायत स्थित वार्ड संख्या चार में नल जल योजना का लाभ नहीं मिलने से नाराज लोगों ने रविवार को अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि बीते सात-आठ महीने से दर्जनों घरों के लोगों को स्वच्छ पानी नहीं मील रहा है। यहां के ग्रामीण शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे हैं।यहां नल जल योजना के तहत लगाये गये पाइप लाइन से पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है।

नल जल योजना के तहत पानी की सप्लाई नहीं होने से लोग शुद्ध पेयजल को तरस रहे हैं।गर्मी के इस मौसम में लोगों के सामने पानी की विकट समस्या खड़ी हो गयी है।भीषण गर्मी में जलापूर्ति शुरू नहीं होने से बड़ी आबादी प्रभावित है। मजबूरी में लोग अशुद्ध जल पीने से बीमार होने की संभावना है लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद भी उनकी समस्या पर गौर नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों ने यथाशीघ्र समस्या को दूर कर जलापूर्ति की सुविधा बहाल किए जाने की मांग की है।

वहीं बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से समाजसेवी सह भावी विधायक प्रत्याशी अशोक कुमार चौधरी को लोगों से नल-जल योजना का लाभ नहीं मिलने की जानकारी से अवगत कराया। मौके पर श्री चौधरी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को दुरभाष पर इसकी जानकारी दिया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि जल्द ही इस समस्याओं का समाधान होगा। स्थल पर अशोक कुमार चौधरी के द्वारा जायजा लिया गया जहां दो दर्जन से अधिक लोगों को नल का जल का पानी नहीं मिल रहा है।

मौके पर फूलिया देवी, कूजो देवी, माधो देवी, देवीचरण पासवान, सुरेन्द्र पासवान, उपेन्द्र पासवान, धीरज कुमार, मो.अकबर, प्रमोद कुमार शर्मा, लालमुनि मोची, अकलू पासवान आदि मौजूद थे।

हजरत सैयद शाह इब्राहिम बाबा का 411वां उर्स ककराला में मनाया गया

संजना भारती संवाददाता

ककराला (बदायूं)। ककराला के ईदगाह स्थित दरगाह शरीफ पर हजरत सैयद शाह इब्राहिम बाबा का 411वां सालाना उर्स बड़ी ही अकीदत और धूमधाम के साथ मनाया गया। उर्स का आगाज कुरान-ए-पाक की तिलावत से हुआ, जिसके बाद नाते पाक और मंकबत ने महफिल को रूहानी रंग में रंग दिया। दूर-दराज से आए अकीदतमंदों और जायरीनों ने दरगाह पर चादरपोशी और गुलपोशी कर दुआएं मांगी। इस मौके पर दरगाह के सज्जादानशीन ने मुल्क की सलामती, अमन और कौमी एकता के लिए खास दुआ की। उर्स के बाद लंगर का आयोजन हुआ जिसमें हजारों जायरीन शामिल हुए और लंगर की बरकत हासिल की। व्यापार मंडल ककराला के पदाधिकारियों ने भी दरगाह पर चादरपोशी कर बाबा की बारगाह में हाजिरी दी और क्षेत्र की तरक्की के लिए दुआ मांगी। कार्यक्रम में पत्रकारों, समाजसेवियों और नगर के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

देशभर से आठ तैराकों की एक टीम ने 28 किलोमीटर रिले तैराकी सफलतापूर्वक की पूरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। देशभर से आठ तैराकों की एक टीम ने श्रीलंका और भारत को जोड़ने वाली पाक जलडमरूमध्य में रामसेतु के साथ साथ 28 किलोमीटर रिले तैराकी सफलतापूर्वक पूरी की। जिले के लिए गर्व की बात है कि कैथल जिला के एडीसी दीपक बाबूलाल करवा भी इस टीम का हिस्सा रहे। अर्जुन अवार्डी एवं पैरालिंपियन प्रशांत करमाकर की अगुवाई में इस टीम ने 18 अप्रैल को तलाईमन्नार (श्रीलंका) से धनुष्कोडी (भारत) तक की दूरी आठ घंटे 30 मिनट में तैरकर पूरी की। तैराकी सुबह 5:50 बजे शुरू हुई और दोपहर 2:20 बजे समाप्त हुई।

इस तैराकी का आधिकारिक निरीक्षण भारतीय तैराकी महासंघ द्वारा श्री विजय कुमार के माध्यम से किया गया। जिससे खुले पानी में तैराकी के मानकों का पालन सुनिश्चित हुआ।

युवा तैराकों में प्रशांत करमाकर (पैरालिंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता), आईएएस अभिनव गोपाल (उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में मुख्य विकास अधिकारी), आईएएस दीपक बाबूलाल करवा (हरियाणा के कैथल जिले के एडीसी), मुरीगेप्पा चन्ननवर (कर्नाटक पुलिस अधिकारी), राबिन (प्रमुख टीटी रेलवे पश्चिम बंगाल), अमन शानबाग (कर्नाटक के एक एमबीबीएस छात्र), राजवीर सिंह (महेंद्रगढ़ के एक पैरा-खिलाड़ी), चरखी दादरी के रहने वाले राष्ट्रीय एथलीट इशांत सिंह शामिल हैं। तैराकों ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच संतुलन बनाते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने कहा कि पौराणिक राम सेतु के किनारे तैरते हुए, इस तैराकी से उन्होंने फिट इंडिया मूवमेंट का समर्थन, साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना, भगवान राम में धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का सम्मान करना, तैराकी को प्रोत्साहित करना और भारत की विविधता में एकता का जश्न मनाना आदि शक्तिशाली संदेश दिए हैं।

अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि पाक जलडमरूमध्य को पार करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस रिले तैराकी में आठ तैराकों ने बारी-बारी से दूरी तय की। उन्होंने कहा कि इस तैराकी ने न केवल तैराकों की शारीरिक क्षमता का पता लगा, बल्कि सहयोग और साझा राष्ट्रीय भावना की ताकत को भी दिखाया। इस सफलता के बाद यह टीम अब जून 2025 में रिले प्रारूप में इंग्लिश चैनल पार करने की तैयारी कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष डॉ. वन्दना पोपली ने बगथला गोशाला में कन्या गुरुकुल का किया शुभारंभ

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

रेवाड़ी। गौशाला के साथ गुरुकुल खोलने और मॉडर्न शिक्षा के साथ-साथ पुरानी पद्धति से शिक्षा देना एक नवीन विचार है। हमारे पुराने समय में नालंदा और तक्षशिला विश्व प्रसिद्ध गुरुकुल और विश्वविद्यालय रहे हैं। आज के समय हमारे सामने कई चुनौतियां हैं और हमारे बच्चों को आधुनिक रहन-सहन से हो रहे नुकसान से बचने के लिए और हमारी पुरानी संस्कृति से जोड़ने के लिए गुरुकुलो का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही बच्चों को योग की शिक्षा देना तथा आत्मरक्षा की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। यह गुरुकुल कन्याओं को समर्पित है। महिला शिक्षा आज के समय की आवश्यकता के साथ-साथ समाज में फैली हुई कुरीतियों को हटाने के लिए एक टूल का काम करेगी। इस अवसर पर आचार्य शिवकुमार, मास्टर जयसिंह, बगथला की सरपंच अंजू देवी, गौशाला के प्रधान पप्पू सरपंच, कोसली विधायक अनिल के भाई अशोक लोहिया, लोहिया मशीनरी कोसली वाले बंसत लोहिया, बगथला ब्लॉक समिति प्रतिनिधि भोला राम, बिठवाना मंडल अध्यक्ष बलराज, नागेंद्र पूर्व मंडल अध्यक्ष, जतिन अरनेजा जिला मीडिया प्रभारी, प्रवीण शर्मा मीडिया सह प्रभारी, सौरभ यादव युवा मोर्चा उपाध्यक्ष, त्रिभुवन भटनागर उपस्थित रहे।

जीवन चानन शिक्षण महाविद्यालय में विदाई पार्टी का हुआ आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। नगर स्थित जीवन चानन शिक्षण महाविद्यालय में विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना से किया गया। प्राचार्या डॉ. पूजा सलूजा ने बताया कि बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के द्वारा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रबंधक रमेश बतरा, सचिव सुशील गर्ग, चमन लाल पाहवा और पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष दीपक छाबड़ा ने शिरकत की।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसके अंतर्गत नृत्य, संगीत, फैशन कैटवॉक शो इत्यादि के द्वारा विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में बेहतरीन प्रदर्शन के चलते द्वितीय वर्ष की छात्रा मेघा को मिस फेयरवेल का खिताब दिया गया और वर्षभर के दौरान शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर द्वितीय वर्ष की छात्रा नेहा को मिस बी.एड. चुना गया। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. जगदीप कौर, प्रो. प्रदीप और डॉ. हेमलता शर्मा के द्वारा निभाई गई।

इस अवसर पर प्रो. शालिनी राणा, प्रो. संगीता वर्मा, प्रो. संतोष रानी, प्रो. पूजा यादव, डॉ. रामनिवास, प्रो. कुलदीप, प्रो.रेणु व कार्यालय कर्मचारी मोनू, गौरव और नरेश इत्यादि मौजूद रहे।

बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के देवतुल्य जनता की सेवा ही सर्वोपरि है: अशोक कुमार चौधरी

एसबी ब्यूरो

मंसूरचक(बेगूसराय)। 142 बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से रसीदपुर निवासी समाजसेवी अशोक कुमार चौधरी ने लगातार विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न जगहों पर जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। रविवार को बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के साठा पंचायत अंतर्गत छवीलापुर, गुरदासपुर, बड़कुरवा, गणपतौल, हवासपुर, मंसूरचक आदि जगहों पर जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से रूबरू हुए। साथ ही विधानसभा क्षेत्रों में भारी मात्रा में कैलेण्डर वितरण किया।

संपूर्ण विधानसभा क्षेत्रों में अशोक कुमार चौधरी की लोकप्रियता की चर्चाएं हो रही है। पत्रकारों को श्री चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर शिक्षा, स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्रों में विधानसभा क्षेत्र को अव्वल बनाना है।

स्थानीय समर्थकों का अशोक कुमार चौधरी के प्रति भरपूर स्नेह देखने को मिला। वहीं उन्होंने कहा कि बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र को अव्वल लाने के लिए हम संकल्पित है। क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों ने अपनी समस्याओं से अशोक कुमार चौधरी को अवगत कराया।

वहीं उन्होंने मतदाताओं को कहा कि जल्द ही आपको समस्याओं से निजात दिलाने का कार्य करूंगा। मौके पर गोपाल पोद्दार, उमेश चौधरी, कंचन कुमार, प्रमोद कुमार शर्मा, धीरज कुमार, प्रमोद कुमार महतो, अनिल कुमार, राहुल कुमार, धनश्याम पाठक, देवेंद्र साह, उत्तम पोद्दार, जगधरी ठाकुर, मो.अकबर, सीमा कुमारी, कोमल कुमारी, स्वेता रानी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।